मुझमें जब तक
शायरी मौजूद हैं ..
तब तलक
ये जिन्दगी मौजूद है ..

ढाई आखर प्रेम के...

Collection of
Ravi Kamra

VOLUME – 36

बात के दोनों सिरे खुले रखना
बंद गली से किसी का आना जाना नहीं होता
खुली गली एक भली सी संभावना है
जरुरी है---बात के सिरे खुले रखना कि
कुछ बातें सही रहें और कुछ साबित हो सकें गलत
और जिन्दा रहें हलचलें
खुली रखना गलियां दोनों सिरों से----|

मैं एक ही वक़्त में
खुदा और दोस्त दोनों को ढूँढने निकला
सोचा था खुदा अगर पहले मिल गया तो
उसके साथ मिलकर दोस्त को ढूँढ लूँगा
पर हुआ ये कि दोस्त पहले मिल गया
और फिर खुदा को ढूंढने की
ज़रूरत ही नहीं पड़ी

कोई नफरत कर बैठा मुझसे,
और कोई प्यार कर बैठा है,
किसी को यकीन नहीं मेरा
और कोई ऐतबार कर बैठा है,

तुम्हारे साथ खामोश भी रहूँ
तो बातें पूरी हो जाती हैं..,
तुम में, तुम से, तुम पर ही
मेरी दुनिया पूरी हो जाती है।

कितनी अजीब है ये दुनिया,
कोई मिलना नहीं चाहता
और कोई इन्तजार कर बैठा है

खरीद पाऊं खुशियां,उदास चेहरों के लिए
मेरे किरदार का मोल, इतना करदे खुदा

🥀फिर उसके बाद कहा ही नही मेरे हो तुम
क्या एक बार ही तुझको तेरा लगा था मैं

🥀जब कदम ठहरे है ना
तब और गहराई से तुम्हें जान पाई हूं
तुम्हें पाने के लिए भागना नहीं
ठहरना पड़ता है ....© अंशु हर्ष

🥀मेरी मुहब्बत का तो मुख़्तसर सा क़िस्सा है
एक शख़्स आज भी मेरी ज़िंदगी का हिस्सा है

🥀नागरिकता तो तुम्हारी भी चेक होनी चाहिए,
मुझे शक है कि तुम चाँद से आई हो.....!!

दर्द दर्द ही रहा
उल्टा भी लिखा
सीधा भी लिखा..!!

जो सिरफिरे होते है , इतिहास वही लिखते है ...
समझदार लोग तो सिर्फ उनके बारे में पढते हैं ll

ना दिल से आह ना लब से कोई सदा निकलती है
पर ना जाने बात दूर तक कैसे जा निकलती है,,

वो रहे बेशक़ मेरे हाल से बेखबर मगर
मेरे दिल से उसके लिए,बस दुआ निकलती है,,

ख्वाहिशें कुछ ज्यादा अब रही नहीं दिल-ए-नादां की
तेरे दिल में भी हो वो बात,जो मेरे दिल से तेरे लिए निकलती है..!!

मेरे बस से जो निकल गए हालात
तो मैं हालात से निकल आया

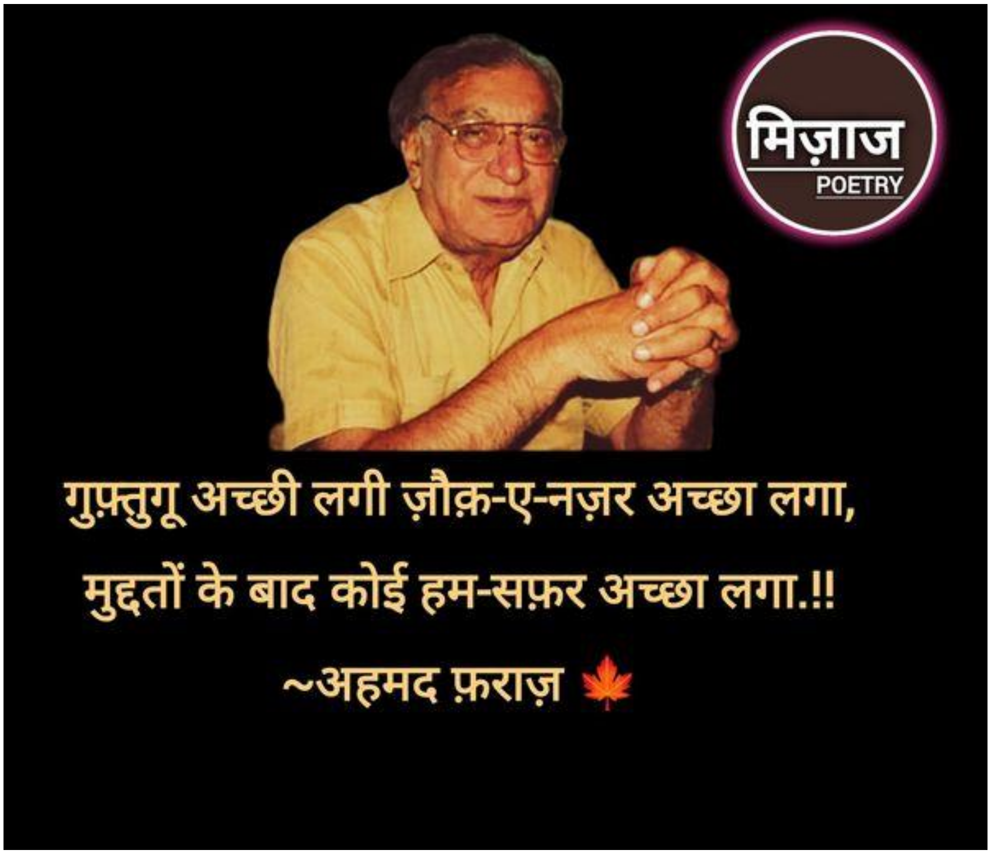

अपनी महफिल से यूँ न टालो मुझे
मैं तुम्हारा हूँ तुम तो सँभालो मुझे।

ज़िंदगी! सब तुम्हारे भरम जी लिये
हो सके तो भरम से निकालो मुझे।

मोतियों के सिवा कुछ नहीं पाओगे
जितना जी चाहो उतना खँगालो मुझे।

खुशियां कम और अरमान बहुत हैं,
जिसे भी देखिए यहां हैरान बहुत हैं,,

मुश्किल से मिलता है शहर में आदमी,
यूं तो कहने को इन्सान बहुत हैं,,

वक्त पे न पहचाने कोई ये अलग बात,
वैसे तो शहर में अपनी पहचान बहुत हैं।।

आईना देख क्या लिया मैंने.
अब कोई भी बुरा नहीं लगता…

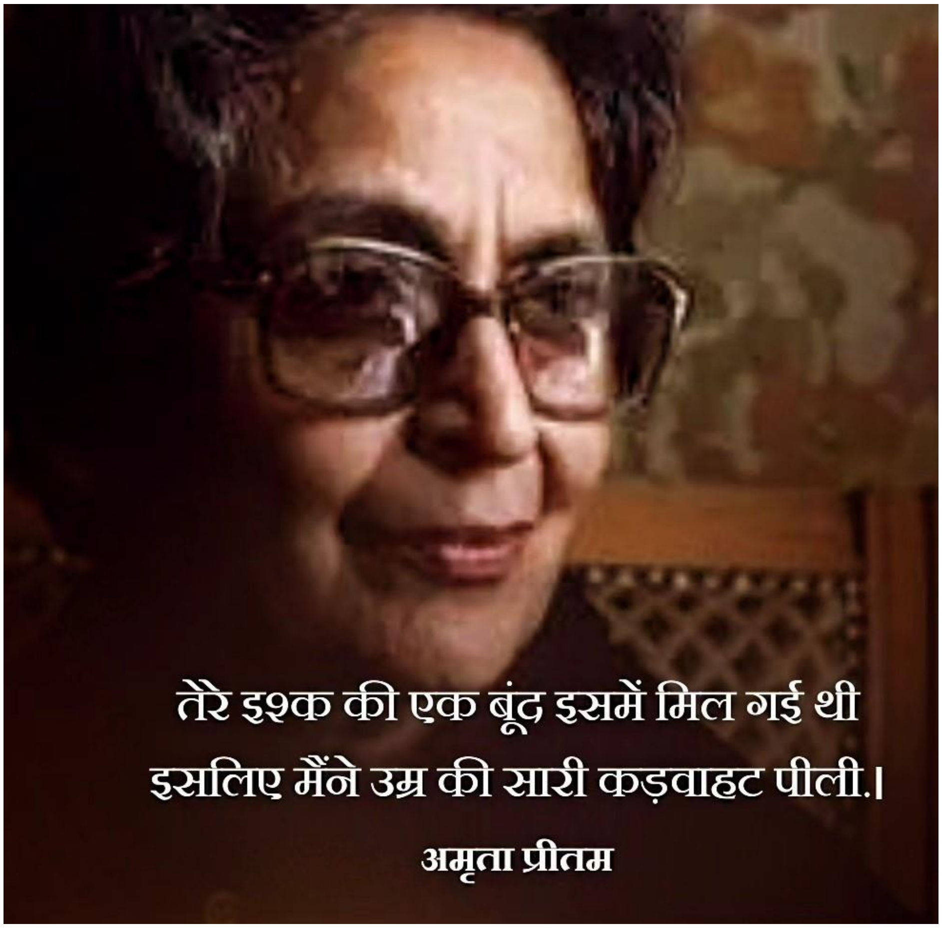

वो एक ख़त जो उसने कभी लिखा ही नहीं
मैं रोज़ बैठ कर उसका जवाब लिखता हूँ

🥀 मैं वो हूँ जो हंसी बन , होठों पे बिखर जाऊंगा,
मुझे अश्क बन के आंखों से गिरना नहीं आता।

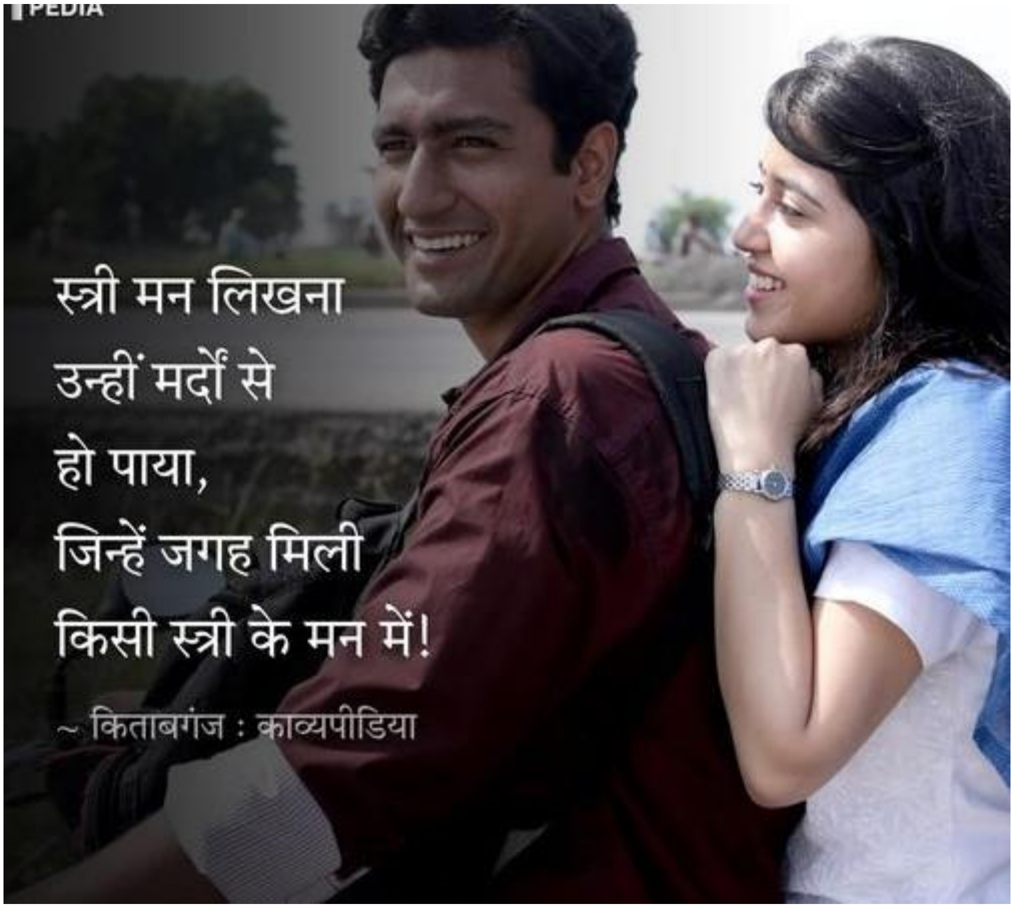

🥀 कहानियां बनती हैं,
लिखी नहीं जाती....

🥀जिनपे इक उम्र लुटा दी जाये
कुछ ऐसे पल भी होते हैं

नहीं निगह में मंजिल तो जुस्तजू ही सही
नहीं विसाल मयस्सर तो आरज़ू ही सही

यादों की इक भीड़ मेरे साथ छोड़ कर

क्या जाने वो कहाँ मेरी तन्हाई ले गया

अजब शिकवा सा रहता है मुझे तुमसे और तुम्हें मुझसे
तुम्हें उल्फत नहीं मुझसे और मुझे फुर्सत नहीं तुमसे

सुना है इश्क में नींद उड़ जाती है
कोई हमसे भी मुहब्बत करे
हमें नींद बहुत आती है

तू अगर जीत मानता है इसे
तो मैं राज़ी हूँ हार जाने के लिए

इस नहीं का कोई इलाज नहीं
रोज़ कहते हैं आप आज नहीं

तसल्ली से पढा होता तो समझ मे आ जाते हम
कुछ पन्ने बिना पढे ही पलट दिये होंगे तुमने

मुलाकातें नहीं मुमकिन मुझे अहसास है लेकिन,,,
तुम्हें हम याद करते हैं बस इतना याद रखना तुम...

परख से परे है लोगों के लिए शक्षियत मेरी,
मैं उन्हीं के लिए हूं जो समझते हैं कदर मेरी।

अगर ख्यालों में भी गहराई हो तो,
क़िरदार में सादगी आ ही जाती है।

खुद के अंदर झाँकने के लिए 'ज़िगर' चाहिए..!
दुसरो की शिनाख्त में तो, हर शख्स माहिर है..!

सोचने से कहाँ मिलते हैं , तमन्नाओं के शहर,
चलना भी जरुरी है मंज़िल को पाने के लिए।

अब नही होती किसी से कोई भी परेशानी मुझे,
कितनी मुश्किल से हुई हासिल ये आसानी मुझे।

मुस्कराहट इस लिए नहीं कि जिंदगी में खुशियां ज्यादा है,
मुस्कराहट इस लिए कि जिंदगी से ना हारने का इरादा है।

ख़्वाहिशें नहीं होतीं, कभी भी किसी उम्र की मोहताज,
कुछ 'शौक' अगर जीने लगे तो साँसे भी कम पड़ जाएं।

जो हम रूठ जाए तो मनायें कौन …
बस इसी फ़िक्र में खुश रह लेते है …

ग़म तो ज़नाब , फ़ुरसत का शौंक है…
ख़ुशीयों में वक़्त ही कहाँ मिलता है…

वैसे तो ए ज़िन्दगी तुझ में फरेब है, उदासी है रुस्वाई है,
पर हम ने भी हर बार मुस्करा कर तेरी आबरू बचाई है।

तनाव से बस, समस्याएं ही जन्म लेती है,
समाधान खोजना है तो मुस्कुराना पड़ेगा।

शोहरत की बुलंदी भी तो पल भर का तमाशा है,
जिस डाल पर बैठे हैं, वो कभी भी टूट सकती है।

तुम मेरी हद नही हो....जो पूरी हो....
तुम मेरी धडकन हो, जो जरूरी हो....

कुछ उनको भी अज़ीज़ हैं अपने सभी उसूल
कुछ हम भी इत्तिफ़ाक़ से, ज़िद के मरीज़ हैं

कमजोरियां मत खोज मुझमें ऐ मेरे दोस्त,
ऐक तू भी शामिल है मेरी कमजोरियों में।

बहुत ज़रूरी नहीं हूँ मैं फिर भी,
मेरे बग़ैर, कुछ कमी तो रहेगी।

मंजिलें क्या है, रास्ता क्या है ?
हौंसला हो तो फासला क्या है।

ख़्यालातों के बदलने से भी निकलता है नया दिन..!
सिर्फ़ सूरज के चमकने भर से ही सवेरा नहीं होता..!

एक ज़िंदगी है जो सा, रे, ग, म कह कर बहला रही है,
और एक हम हैं, जो उसे सारे ग़म कह कर कौस रहें हैं।

मैं बेखबर हूं, अपने ही पते ठिकाने से और,
चर्चा यह है कि हम आपके दिल में रहते हैं।

तेरी चाहत की ख्वाइश, इस कदर बरकरार रहे,
कि हर जन्म में मुझे बस, तेरा ही इंतजार रहे....

तलाश है, आज भी, खुद की मुझे ....
जो आपको मिले, तो इत्तला कीजिए।

छोड़ना चाहो तो कमियां बहुत हैं मुझमें,
निभाना चाहो तो खूबियां भी कम नहीं।

बड़े ही खुशनसीब होते हैं वो जिनके,
एहसासों को महसूस करता है कोई।

हमने तेरी मोहब्बत आज इस जहां को दिखला दी!!,
नाम लिखकर पतंग पे तेरा और आसमां में उड़ा दी!!